भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2380

सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021/22 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम बंगाल में इको-पर्यटन केंद्रों की स्थापना

+2380. डॉ. सुकान्त मजूमदार:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश में इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां तो पश्चिम बंगाल सहित देश में जिला-वार किन-किन इको-सर्किट की पहचान की गई है;

(ग) क्या सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से इको-पर्यटन केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या पश्चिम बंगाल में इको-पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने की व्यापक संभावनाएं हैं; और

(च) यदि हां तो पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों में इको-पर्यटन को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए उठाए गए अन्य उपायों/कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): इको पर्यटन सहित पर्यटन का संवर्द्धन एवं विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन योजना के तहत देश में इको-परिपथ के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

देश में स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग) और (घ) : स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी धनराशि के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती है। राज्य सरकार द्वारा परियोजना प्रस्तावों की प्रस्तुति और उनकी स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है। पश्चिम बंगाल राज्य में ईको-पर्यटन केन्द्रों की स्थापना के लिए कोई परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत नहीं किया गया है।

(ड) और (च): पश्चिम बंगाल सहित भारत में इको पर्यटन यात्रा और पर्यटन उद्योग का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है। पर्यटन मंत्रालय ने इको-पर्यटन और साहसिक पर्यटन पर फोकस के साथ सतत पर्यटन हेतु राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप का एक मसौदा तैयार किया है।

*****

अनुबंध

पश्चिम बंगाल में इको-पर्यटन केंद्र की स्थापना के संबंध में दिनांक 13.12.2021 को लिखित प्रश्न सं.2380 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के इको पर्यटन परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु में)

क्रम सं	राज्य का नाम	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1.	उत्तराखंड	2015-16	टिहरी-चंबा-सराइन में टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास।	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूबनगर जिलों (सोमसिला, सिंगोटम, कदलाईवनम, अक्कमहादेवी, इगलनपंता, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेथीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62	87.04
3.	केरल	2015-16	पथानामथिट्टा- गावी- वागामोन- थेक्कडी का विकास।	76.55	61.24
4.	मिजोरम	2016-17	आइजोल- रॉपुइछिप - ख्वाफवाप - लेंगपुई - डर्टलांग - चटलांग - साकवरहमुइतुएतलांग - मुथी - बेरातलावंग - तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध- तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ा घाट- बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	94.61	79.70
6.	झारखंड	2018-19	दलमा- चांडिल - गेतालसूद - बेतला राष्ट्रीय उद्यान - मिर्चैया - नेतरहाट का विकास	52.72	15.07
कुल				**451.04**	**358.29**

****